UNIVERSITY OF LUCKNOW

(Accredited A++ by NAAC)

Happy Thinking Lab
&
Department of Hindi and Modern Indian languages

In Association With

THE ART OF LIVING

Present a Lecture By **Shri Anurag Singh**

Faculty and Youth
Coordinator UP Art of living

On

स्वास्थ्य एवं आनंद

Patron

Prof. Alok Kumar Rai
Vice Chancellor
University of Lucknow

Prof. Madhurima Pradhan
Director
Happy Thinking Lab

Prof. Rashmi Kumar
Head
Department of Hindi

Azadi Ka Amrit Mahotsav

Venue: Room no. 19 Hindi Department
Date:23 February 2023
Time: 12:00 PM

G20 भारत 2023 INDIA

Sahaj Yoga Program at Department of Hindi

Report

Under the joint aegis of Happy Thinking Laboratory, Counselling and Guidance Cell and Department of Modern Indian Languages, a seminar was organized on the topic Health and Happiness on 23rd February 2023 from 12.00 pm onwards at room no. 14.

The program started with lighting of lamp and Swaraswati Vandana. Prof.Rashmi Kumar, Head, Deptt of Psychology welcomed the guests. Prof. Madhurima Pradhan, Founder Director, Happy Thinking Laboratory and Professor of Psychology, informed about the facts related to body and mind in a lucid manner

On this occasion, Mr. Anurag Singh from Art of Living organization was the chief speaker and explained the way of living a good and meaningful life. He delivered a motivating lecture on the fundamentals of a healthy and happy human being. He clearly explained the seven layers of human existence, i.e body, breathe, mind, intellect, chitta, ahankar and ananda. He explained that there are many challenges in life which can be overcome with the sense of coexistence and practice of meditation, yoga, sublime human values, morality.

The participants were benefited from the experiential session of meditation conducted by the experts. Dr. Vaishali Saxena also motivated students by her life experiences.The program was successfully ended with vote of thank by Prof. Himanshu Sen.

UNIVERSITY OF LUCKNOW
India
MEDITATES

UNIVERSITY OF LUCKNOW
Happy Thinking Lab &
स्वास्थ्य एवं आनंद
Patron
Prof. Rashmi Kumar
Head
Department of Hindi
THE ART OF LIVING
India MEDITATES
HAR GHAR

UNIVERSITY OF LUCKNOW
Happy Thinking Lab &
स्वास्थ्य एवं आनंद
Patron
Prof. Rashmi Kumar
Head
Department of Hindi
THE ART OF LIVING
India MEDITATES
HAR GHAR

सगी बहनें हैं साहित्य और अध्यात्म

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। हैप्पी थिंकिंग लैब एवं हिंदी तथा भारतीय भाषा विभाग ,लखनऊ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य एवं आनंद विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के उत्तर प्रदेश के समन्वयक अनुराग सिंह ने जीवन जीने की पद्धति पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि साहित्य और अध्यात्म सगी बहने हैं। मानव अस्तित्व के सात स्तर हैं- शरीर, सांस, मन, बुद्धि ,चित्त ,अहंकार और आनंद। आनंद के लिए मनुष्य को अपने अहंकार पर विजय प्राप्त करनी पड़ती है और अपने मन को नियंत्रित करने के लिए सांसो को विशेष रूप से संयमित करना पड़ता है। स्वास्थ्य एवं आनंद मनुष्य की मूलभूत आवश्यकता है। इस क्षेत्र में अनेक चुनौतियां हैं जिन्हें ध्यान, योग ,उदात्त मानवीय मूल्य, सदाचार एवं

अस्तित्व के भाव से जीता जा सकता हैं। मनोविज्ञान की विदुषी, हैप्पी थिंकिंग लैब की संस्थापक प्रो. मधुरिमा प्रधान ने वैज्ञानिक ढंग से शरीर और मन संबंधी तथ्यों से अवगत कराया। डॉ. वैशाली सक्सेना के उद्बोधन से युवाओं के जीवनोपयोगी विचारों से छात्रगण लाभान्वित हुए। प्रो. रश्मि कुमार, विभागाध्यक्ष ने अपने स्वागत वक्तव्य में महापुरुषों के जीवन मूल्य के माध्यम से स्वास्थ्य एवं आनंद पर वक्तव्य दिया। इस अवसर पर विभाग में अमृतलाल नागर की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की गई तथा आनंद और स्वास्थ्य के लिए अमृतलाल नागर की रचनाओं से संदर्भ दिए गए। कार्यक्रम का संचालन प्रो. हेमांशु सेन ने कुशलता पूर्वक किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. वाई पी सिंह ने किया। इस अवसर पर विभाग के समस्त शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

छात्रों ने सीखा असफलताओं से लड़ने का हुनर

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर के समापन अवसर पर वर्तमान परिदृश्य में समाज पर सोशल मीडिया का प्रभाव विषय पर सामूहिक परिचर्चा का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने राष्ट्रीय सेवा योजना की मूल भावना पर प्रकाश डाला तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. अनूपमा रस्तोगी ने विद्यार्थियों को असफलताओं से सीखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. श्याम किशोर ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए मंच प्रस्तुति के दौरान होने वाले भय को समाप्त करने हेतु विद्यार्थियों को विभिन्न टिप्स दिए तथा राष्ट्रीय स्वयं सेवकों के अंदर छिपी हुई प्रतिभा को निखारने में राष्ट्रीय सेवा योजना की महत्वपूर्ण भूमिका पर विशेष बल दिया। विद्यार्थियों ने विशेष शिविर के दौरान प्राप्त होने वाले अनुभवों को साझा किया।

हेतु सदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय ए.डी.जे./ए.एस.जे. पाक्सो 01, इलाहाबाद
संरक्षकता वाद जी. डब्लू. नं. 148 सन 2022
1. श्रीमती राज रागिनी श्रीवास्तव उम्र 62 वर्ष लगभग पत्नी सत्य मुरारी श्रीवास्तव निवासी 130ए/18 पीताम्बर नगर सदर प्रयागराज
2. सत्य मुरारी श्रीवास्तव पुत्र लाल जी श्रीवास्तव निवासी 130ए/18 पीताम्बर नगर सदर प्रयागराज ... वादीगण/ प्रार्थीगण

वाद पदो के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5, नियम 1 और 5)
अपर प्रधान पारिवारिक न्यायालय
चतुर्थ, प्रयागराज
परिवाद सं. 434 सन 2022
श्रीमती सूर्यकली उम्र 39 वर्ष पत्नी राम अवध पुत्री सोहन लाल निवासी ग्राम व पोस्ट भगेसर थाना व तहसील कोरांव जनपद प्रयागराज, हाल मुकाम वास पोस्ट गाढ़ा थाना व तहसील कोरांव जनपद प्रयागराज..... प्रार्थिनी/वादिनी
बनाम
राम अवध उम्र 32 वर्ष पुत्र गायत्री निवासी ग्राम भगेसर थाना व तहसील कोरांव जनपद प्रयागराज... विपक्षी/ प्रतिवादी
थाना कोरांव जनपद प्रयागराज
प्रार्थना पत्र अन्तगर्त धारा 125 सीआरपीसी
चूंकि ने आपके खिलाफ के लिये वाद संस्थित किया है अतएव आपको एतद् द्वारा आहूत किया जाता है कि आप या स्वयं ऐसे अभिवक्ता द्वारा